University in News on 25 September 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीएलएड, बीपीएड व एमपीएड की सीटों पर कॉलेज लेंगे प्रवेश

लविवि : खाली सीटों पर मेरिट के आधार पर दाखिले लेने की मिली अनुमति

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज बीएलएड, बीपीएड और एमपीएड कोर्स में खाली सीटों पर मेरिट के आधार पर प्रवेश ले सकेंगे। कुलपति की मंजूरी के बाद कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने मंगलवार को इस संबंध में पत्र जारी करते हुए यह जानकारी दी।

लविवि से संबद्ध कई महाविद्यालयों में बीएलएड, बीपीएड और एमपीएड कोर्स संचालित हैं। विवि यहां केंद्रीयकृत प्रवेश व्यवस्था के जरिए प्रवेश लेता है। कॉलेजों को अपने स्तर से प्रवेश लेने की अनुमति नहीं है। विवि स्तर की दाखिला प्रक्रिया के बाद कॉलेजों की सीटें नहीं भर पाई हैं। अब जब सीटें खाली हैं तो कॉलेजों ने अपने स्तर से दाखिले का अनुरोध किया था।

इसके बाद उन्हें अपने स्तर से मेरिट के आधार प्रवेश के लिए अनुमति दे दी गई है। जिन विद्यार्थियों को इन कोर्स में लेना होगा, वह कॉलेज से सीधे संपर्क कर सकते हैं। एलयूआरएन पंजीकरण वाले विद्यार्थी प्रवेश के लिए आवेदन के पात्र होंगे।

दृढ़ निश्चय से पा सकते हैं लक्ष्य

लखनऊ। लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अभिविन्यास-2024 के तहत बीटेक ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा ने कहा कि मेहनत और दृढ़ निश्चय से विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। डीन प्रो. एके सिंह ने कहा कि एक इंजीनियर के रूप में आपकी यात्रा मुश्किल हो सकती है, लेकिन याद रखें कि हर कठिनाई आपको मजबूत बनाएगी और आपको नए कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त करेगी। इस मौके पर विद्यार्थी और विवि के शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

फारसी में शोध की स्थिति ठीक नहीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की ओर से साप्ताहिक शोध कार्यशाला के चौथे दिन फारसी भाषा के विद्वान प्रो. उमर कमालुद्दीन ने कहा कि भारत में फारसी शोध की गति संतोषजनक नहीं है। अवध संस्कृति और इतिहास पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कार्यशाला में रिसोर्स पर्सन डॉ. माद्री काकोती ने कहा कि भाषा सीखने की क्षमता व्यक्ति में जन्मजात होती है। वह स्कूल जाने से पहले मातृभाषा सीख लेता है। संयोजक डॉ. फाजिल असहन हाशमी, विभाग के शिक्षक व शोधार्थी मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

बीपीएड, एमपीएड की सीटें खुद भर सकेंगे

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध जिन कॉलेजों में बीपीएड, एमपीएड और बीएलएड पाठ्यक्रम का संचालन होता है वह सभी अब खुद से सीटें भर सकेंगे। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

तैयारियां पूरी कर ली गईं हैं: कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2024-25 प्रवेश प्रक्रिया के तहत अब कॉलेज अपने स्तर से सीटें भर सकेंगे। नए सत्र को लेकर कॉलेजों में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस निर्देश के बाद कॉलेजों को सहूलियत होगी।

पर्यटन बढ़ा तो थाईलैंड के छात्रों की पसंद बनी हिन्दी

रुझान

शाश्वत मिश्रा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थी थाईलैंड से आए छात्रों को हिन्दी और अंग्रेजी भाषा सिखा रहे हैं। जिससे वह थाईलैंड में भारत से जाने वाले पर्यटकों संग सहजता से बातचीत कर सकें। बीते कुछ वर्षों में भारत से बड़ी संख्या में लोग घूमने के लिए थाईलैंड जा रहे हैं। लखनऊ के युवाओं को भी पयर्टन के मद्देनजर थाईलैंड काफी आकर्षित कर रहा है। ऐसे में वहां के छात्रों में हिन्दी सीखने के प्रति रुझान बढ़ा है।

पेशेवर की जरूरत होती है: एलयू के अंग्रेजी एवं आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग में तीन माह के सर्टिफिकेट कोर्स इन कॉन्टेक्स्टचुअल कम्युनिकेशन की शुरुआत हुई है। इसमें कुल 11 विद्यार्थियों ने दाखिला लिया है। यह सभी छात्र-छात्राएं थाईलैंड के रहने वाले हैं। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विदेशी विद्यार्थियों को भारतीय भाषा का ज्ञान हो और वह किसी द्विपक्षीय वार्तालाप को आसानी से समझ सकें इसके तहत यह पहल शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली बैठकों में ऐसे प्रोफेशनल्स की जरूरत भी होती है। एयरपोर्ट समेत कई अन्य स्थानों पर भी ऐसे लोग रखे जाते हैं। जिसे ध्यान में रखकर इस कोर्स को डिजाइन किया गया है।

शहर से हर माह 4800 लोग जाते हैं थाईलैंड

होमस्टे और होटल की ऑनलाइन बुकिंग करने वाले प्लेटफॉर्म एयरबीएनबी के डाटा के मुताबिक, भारत से थाईलैंड जाने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। वर्ष 2023 में तकरीबन 60 फीसदी की बढ़ोतरी भी हुई। होली और ईस्टर के समय छुट्टियां बिताने वालों की तादाद काफी ज्यादा है। लखनऊ से हर माह लगभग 4800 लोग थाईलैंड जाते हैं। इसमें जेनरेशन जेड 1996 से 2010 और मिलेनियल्स मतलब 1981 से 1996 के बीच जन्मे लोगों की तादाद सबसे अधिक है।

जेआरएफ को जिम्मेदारी

थाईलैंड से आए विद्यार्थियों को कम समय में हिन्दी और अंग्रेजी भाषा सिखाने के लिए जेआरएफ को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। कक्षाएं खत्म होने के बाद छात्रों को जेआरएफ के साथ वक्त बिताना होता है। इस दौरान जेआरएफ उनसे हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में ही बात करते हैं।

प्रवक्ता प्रो. श्रीवास्तव का कहना है कि अंग्रेजी विभाग में संचालित थाईलैंड से आए सभी विद्यार्थियों को हिन्दी और अंग्रेजी भाषा बोलना, लिखना व पढ़ना सिखाया जा रहा है। जिससे उन्हें भाषायी ज्ञान सही ढंग से हो सके।

'कड़ी मेहनत व दृढ़ निश्चय से छात्र पा सकेंगे मंजिल'

- 'अभिविन्यास' के तहत बीटेक ओरिएंटेशन हुआ
- छात्रों की हर संभव मदद के लिए उठाएंगे कदम

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अभिविन्यास-2024 के तहत बीटेक ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि डीएसडबल्यू प्रो. वीके शर्मा और विशिष्ट अतिथि द्वितीय परिसर निदेशक प्रो. आरके सिंह रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत में डीन प्रोफेसर एके सिंह ने कहा कि कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय से विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। छात्रों के समर्पण और मेहनत की वजह से आने वाले समय में आप न केवल इस संस्थान का बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन करेंगे। एक इंजीनियर के रूप में आपकी यात्रा मुश्किल हो सकती है, लेकिन याद रखें कि हर कठिनाई आपको मजबूत बनाएगी और आपको नए कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त करेगी। डीएसडबल्यू प्रोफेसर वीके शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय उनकी हर संभव सहायता के लिए तैयार है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में मंगलवार को शोध कार्यशाला आयोजित हुई।

साहित्यिक चोरी की समस्या को उठाया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की ओर से साप्ताहिक शोध कार्यशाला में साहित्यिक चोरी की समस्याओं पर कार्यशाला रखी गई। उर्दू विभाग के समन्वयक डॉ. फाजिल अहसन हाशमी ने कार्यशाला का संयोजन किया। फारसी भाषा के प्रख्यात विद्वान प्रोफेसर उमर कमालुद्दीन, अध्यक्षता रैंकिंग निदेशक और अधिष्ठाता अकादमिक प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने राय रखी।

JAGRAN CITY PAGE III

कालेज सीधे ले सकेंगे बीपीएड एमपीएड, बीएलएड में दाखिले

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने जारी किए निर्देश

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध बी.एल.एड, बी.पी.एड व एम.पी.एड पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कालेज अब इन कोर्सों में खाली सीटों पर सीधे मेरिट से प्रवेश ले सकेंगे। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने मंगलवार को इस संबंध में कालेजों को पत्र जारी किया है। हालांकि दाखिला उन्हीं को मिल सकेगा, जिन्होंने एलयूआरएन में पंजीकरण करा रखा है।

लवि की केंद्रीय प्रवेश प्रक्रिया के तहत बी.एल.एड के 18 कालेजों में 855, एम.पी.एड के तीन कालेज में 124 और बी.पी.एड के पांच कालेजों की 460 सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया आयोजित की थी। अभी तक लवि मेरिट जारी कर कालेजों में प्रवेश दे रहा था। अब कुलसचिव ने पत्र जारी कर कहा है कि जिन कालेजों में ये तीनों पाठ्यक्रम संचालित हैं और खाली सीटें बची हैं तो उन पर 2024-25 सत्र में अपने स्तर से मेरिट के आधार पर कालेज प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश समन्वयक डा. अनित्य गौरव ने बताया कि इन कोर्सों में वही प्रवेश ले सकेंगे, जिनका एलयूआरएन पंजीकरण है। प्रवेश संबंधी निर्देश वेबसाइट पर जारी किए गए हैं।

बीफार्म में 100 सीटों पर 285 दावेदार: लखनऊ विश्वविद्यालय के बी.फार्म पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए 100 सीटों पर 285 आवेदन आए हैं। एक सीट पर दो से ज्यादा दावेदार हैं।

लवि : दोतरफा मोबाइल स्टैंड की डिजाइन का हुआ पेटेंट

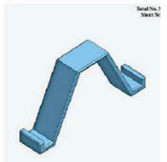

जासं • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के एंथ्रोपोलाजी विभाग की अध्यक्ष प्रोफेसर केया पांडेय सहित दूसरे शैक्षिक संस्थानों के तीन अन्य प्रोफेसरों ने मिलकर दोतरफा मोबाइल स्टैंड की डिजाइन तैयार की है, जिसे भारत सरकार ने पेटेंट प्रदान किया है।

डिजाइन को विकसित करने में लवि की प्रो. केया पांडेय के साथ-साथ एमिटी यूनिवर्सिटी रांची के मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डा. राहुल, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड रांची के प्रोफेसर अजय सिंह और बिरला इंस्टीट्यूट आफ टेक्नालाजी (बीआईटी) मेसरा, रांची की डा. ऋचा पांडे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पेटेंट के बारे में प्रोफेसर केया पांडेय ने बताया कि यह मोबाइल स्टैंड उन व्यक्तियों के लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रदान करेगा जो अक्सर कई उपकरणों का उपयोग करते हैं। इसकी दोतरफा डिजाइन विभिन्न वातावरणों में सुविधा और स्थिरता सुनिश्चित करता है। चारों अन्वेषकों ने नवाचार और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने में समर्थन के लिए भारत सरकार का आभार व्यक्त किया।

लवि की प्रो. केया पांडेय व तीन प्रोफेसरों के बनाए मोबाइल स्टैंड की डिजाइन भारत सरकार ने पेटेंट प्रदान किया • लवि

> यह पेटेंट संस्थानों की नवोन्मेषी भावना (नवीन प्रयोग) का प्रमाण है। यह न केवल इसमें शामिल व्यक्तियों को पहचान दिलाता है, बल्कि हमारी संस्थागत रैंकिंग में भी सकारात्मक योगदान देता है। ऐसी उपलब्धियां हमारे शैक्षणिक समुदाय में भविष्य के अनुसंधान और विकास को प्रेरित करेंगी। इसके लिए बधाई।
> –प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्र हमेशा जिज्ञासा और सीखने की ललक को जीवित रखें

- लविवि में बी.टेक ओरिएंटेशन कार्यक्रम सम्पन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में आज अभिविन्यास-2024 के अंतर्गत बी.टेक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालय में नए प्रवेशित बी.टेक छात्रों के स्वागत और उन्हें विश्वविद्यालय के वातावरण से परिचित कराना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के मंच पर आगमन और कुलगीत की प्रस्तुति के साथ हुई। इसके पश्चात सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो.एके सिंह ने विशिष्ट अतिथियों डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्रो.वीके शर्मा एवं द्वितीय कैंपस के निदेशक, प्रो.आर.के. सिंह का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। अपने स्वागत उद्बोधन में डीन, प्रो.एके सिंह ने छात्रों को उनके शैक्षणिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय से वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा, आपके समर्पण और मेहनत की वजह से आने वाले समय में आप न केवल इस संस्थान का बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन करेंगे। एक इंजीनियर के रूप में आपकी यात्रा मुश्किल हो सकती है, लेकिन याद रखें कि हर कठिनाई आपको मजबूत बनाएगी और आपको नए कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त करेगी। हमेशा अपनी जिज्ञासा और सीखने की ललक को जीवित रखें, क्योंकि यही आपको असाधारण बनाएगी। इसके बाद, छात्रों के कल्याण से संबंधित योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी देते हुए डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्रो.वीके शर्मा ने अपना संबोधन दिया। प्रो. शर्मा ने छात्रों को उनकी मानसिक, सामाजिक, और शैक्षणिक भलाई पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया और बताया कि विश्वविद्यालय उनकी हर संभव सहायता के लिए तैयार है। इस दौरान द्वितीय कैंपस के निदेशक प्रो.आर.के.सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए और छात्रों को उनके अध्ययन के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अनुशासन और समय प्रबंधन सफलता की कुंजी हैं और छात्रों को अपनी पढ़ाई में गंभीरता से ध्यान देना चाहिए ताकि वे अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकें। इसके बाद, संकायाध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा छात्रों को बैग वितरित किए गए, जिससे सभी छात्रों में अत्यधिक उत्साह और खुशी देखी गई।

छात्र-छात्राओं ने नशामुक्त भारत की ली शपथ

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय एवं नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो.वीके शर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा आंगुतकों के स्वागत से हुई। प्रो.वीके ने आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला और संगठन के स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता अभियान पर भी चर्चा किया। यह आयोजन कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय के संरक्षण में किया गया। इसके पश्चात अन डेविड ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। इसके बाद नारकोटिक्स कंटोल ब्यूरो के सहायक निदेशक डॉ.कुल प्रकाश सिद्धार्थ एवं चन्द्रशेखर कुमार सिंह अधिक्षक एनसीबी ने ड्रग उन्मूलन से संबंधित विविध पहलुओं की चर्चा की। अन्त में प्रो.ओएन उपाध्याय ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.प्रिया, सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और नशामुक्त भारत की शपथ ली।

AMRIT VICHAR PAGE 4

छात्रों को पढ़ाया गया समर्पण का पाठ

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय में अभिविन्यास-2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में नव प्रवेशी बी.टेक छात्रों के स्वागत और उन्हें विश्वविद्यालय के वातावरण से परिचित कराने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलगीत की प्रस्तुति के साथ हुई। दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।

अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रोफेसर ए. के सिंह ने विशिष्ट अतिथियों डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्रोफेसर वी.के. शर्मा एवं द्वितीय कैंपस के निदेशक, प्रोफेसर आर.के. सिंह का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया। छात्रों के कल्याण से संबंधित योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी देते हुए डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्रोफेसर वी.के. शर्मा ने अपना संबोधन दिया। प्रोफेसर शर्मा ने छात्रों को उनकी मानसिक, सामाजिक, और शैक्षणिक भलाई पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया और बताया कि विश्वविद्यालय उनकी हर संभव सहायता के लिए तैयार है। कार्यक्रम के दौरान द्वितीय कैंपस के निदेशक, प्रोफेसर आर.के. सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए और छात्रों को उनके अध्ययन के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा दी।

'अवध संस्कृति व इतिहास पर ध्यान देने की जरूरत'

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग में आयोजित शोध कार्यशाला में मंगलवार को शोधार्थियों ने साहित्यिक चोरी की समस्याओं से लेकर कई प्रश्न उठाए। इन सभी का रिसोर्स पर्सन ने उत्तर भी दिया। प्रथम सत्र की अध्यक्षता फारसी भाषा के प्रोफेसर उमर कमालुद्दीन ने की। उन्होंने कहा कि भारत में फारसी शोध की गति संतोषजनक नहीं है। अवध संस्कृति और इतिहास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दूसरे सत्र में की अध्यक्षता डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने की। पुस्तकालय विज्ञान एवं सूचना विभाग के विभागाध्यक्ष डा. प्रवीश प्रकाश, कार्यशाला संयोजक डा. फाजिल अहसन हाशमी ने भी अपने विचार रखे।

'हमेशा जिज्ञासा और सीखने की ललक को जीवित रखें'

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक के अभिविन्यास कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू (दाएं से बाएं) प्रो. वीके शर्मा, डीन प्रो. एके सिंह और द्वितीय परिसर के निदेशक प्रो. आरके सिंह ने विद्यार्थियों को बैग वितरित किए • लवि

- लवि के इंजीनियरिंग संकाय में बीटेक के विद्यार्थियों का हुआ अभिविन्यास कार्यक्रम

जासं • लखनऊ : कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय से अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। एक इंजीनियर के रूप में आपकी यात्रा मुश्किल हो सकती है, लेकिन याद रखें कि हर कठिनाई आपको मजबूत बनाएगी। नए कौशल और ज्ञान के साथ सशक्त करेगी। हमेशा अपनी जिज्ञासा और सीखने की ललक को जीवित रखें, क्योंकि यही आपको असाधारण बनाएगी। यह विचार लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में मंगलवार को डीन प्रो. एके सिंह ने बी.टेक के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में रखे।

उन्होंने कहा कि आप अपने समर्पण और मेहनत से आने वाले समय में न केवल इस संस्थान का बल्कि पूरे समाज का नाम रोशन करेंगे। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा ने विद्यार्थियों को उनकी मानसिक, सामाजिक और शैक्षणिक भलाई पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर बल दिया। यह भी कहा कि विश्वविद्यालय उनकी हर संभव सहायता के लिए तैयार है।

द्वितीय कैंपस के निदेशक प्रो. आरके सिंह ने कहा कि अनुशासन और समय प्रबंधन सफलता की कुंजी हैं। छात्रों को अपनी पढ़ाई में गंभीरता से ध्यान देना चाहिए ताकि वे अपने लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को बैग वितरित किए।